(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STEEL, MINES AND METALS (DR. CHENNA REDDY): (a) Yes, Sir.

(b) A general geological survey and preliminary mineral assessment of Haryana State has been completed. As a result of work carried out, some minerals, of which iron ores and limestones are of economic importance, have been recorded. The Geological Survey of India proposes to carry out mineral investigation in Mohindergarh district.

Detailed geological mapping and preliminary mineral survey of Goa was taken up in 1962 by Geological Survey of India with particular attention to the iron and manganese ores. The preliminary survey is completed. The iron ores are distributed in a general NW-SE belt, over a length of about 95 km., extending from Raibagha in the northwest to Salginim in the SE. The manganese deposits of Goa belong to the laterite type and almost all the deposits contain some iron in them. Limestone rich in magnesia extends from North of Vainguinim to Ivrem Curdo in the north eastern part of Goa. The limestone is not, however, suitable for use in blast furnace or cement manufacture.

The Geological Survey of India also proposes to carry out investigation in detail by large scale mapping, pitting and trenching for bauxite and pyrite near Betul in Goa during the field season 1967-68.

लम्बे रेशे की रूई का उत्पादन

62. **श्री मधु लिमये :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लम्बे रेशे की रूई का उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से किये गये प्रयत्नों के परिणामस्वरूप राज्यवार कितने एकड़ भूमि पर इस किस्म की रूई की खेती की जा रही है ;

(ख) क्या आयातित रूई पर शुल्क लगाने तथा निर्यात संवर्धन की बजाय लम्बे रेशे की रूई का उत्पादन बढ़ाने के लिये इसका प्रयोग करने का सरकार का विचार है ; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री मुहम्मद शफ़ी कुरैशी) : (क) जानकारी एकत्रित की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

(ख) और (ग). रूई का उत्पादन बढ़ाने के लिए पैकेज कार्य-क्रम पहिले ही आरम्भ किया जा चुका है, और इसके अतिरिक्त ऐसे क्षेत्रों में जहां जल की व्यवस्था सुनिश्चित हो वहां लम्बे रेशे की रूई का उत्पादन अधिकतम करने के लिये विशेष कार्यक्रम तयार किये गये हैं । भारतीय सूती पकड़ा मिल संघ द्वारा स्वेच्छिक आधार पर एकत्र किया जाने वाला प्रीमियम निर्यात संवर्धन के आवश्यक प्रयोजन को पूरा करता है और उसके अतिरिक्त इस सन्दर्भ में आयातित रूई पर शुल्क लगाना आवश्यक नहीं समझा जाता ।

मुंगेर से दानापुर तक रेलगाड़ी

63. **श्री मधु लिमये :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मुंगेर (पूर्व रेलवे) से जमालपुर तक जाने वाली रेलगाड़ी, जो जमालपुर रात को 10 बजकर 52 मिनट पर पहुंचती है, के यात्रियों को पटना, दानापुर के लिये गाड़ी रात को 2 बजकर 47 मिनट पर मिलती है और उन्हें इससे काफी असुविधा होती है ;

(ख) क्या सरकार का विचार 10 बजकर 52 मिनट पर पहुंचने वाली मुंगेर से दानापुर वाली गाड़ी में एक तीसरे दर्जे का डिब्बा लगाने का है जो मुंगेर-जमालपुर गाड़ी से जमालपुर में अलग कर दिया जायेगा